

आज का मुद्दा

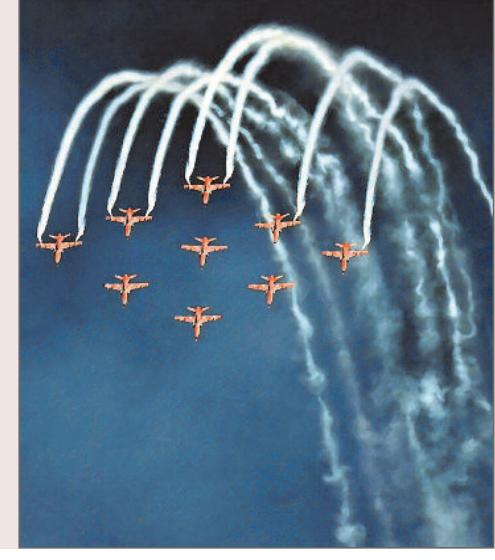
नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 23 नोएडा गौतमबुद्धनगर, मंगलवार 11 फरवरी 2025

RNI-No. UPHIN/2011/37197

पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया



सुखोई समेत लड़ाकू विमानों की गर्जना से गृंजा बंगलूरु

बंगलूरु (एजेंसी)। बंगलूरु में येलोकंका एयरफोर्स स्टेज पर एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण का समारोह चल रहा है। जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित भी किया है। इस दौरान राजनाथ सिंह ने वैशिक अधिवितताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़े देश के तौर पर भारत हमस्खा शांति और शिरकत का हिसाबदारी रखता है।

रक्षा मंत्री ने अग्रों कहा, हमारे लिए भारतीय सुरक्षा या भारतीय शांति अलग-थलग नहीं हैं। सुरक्षा, स्थिरता और शांति साझा निर्माण हैं जो राष्ट्रीय सौमांओं से पैर हैं। (एयरो इंडिया में) विदेशी देशों के हाथों मिलों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि हमारे साझेदार एक

रक्षामंत्री राजनाथसिंह बोले - ये पराक्रम का महाकुंभ



धरती, एक परिवार, एक भविष्य के हाथों दृष्टिकोण को साझा करते हैं। इस दौरान उन्होंने एयरो इंडिया 2025 की तुलना महाकुंभ से की है। उन्होंने कहा- इस समय भारत में महाकुंभ चल रहा है, मूर्छे भी संगम में डुककी लगाने का सामान्य प्राप्त हुआ है। मैं समझता हूं कि एयरो इंडिया के रूप में आज से भारत में एक और महाकुंभ का प्रारंभ हो रहा है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ आत्मसंघान का कुंभ है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ अंतरिक्ष मजबूती पर ध्यान दे रहा है, वही दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह

प्रधानमंत्री मोदी
फ्रांस और अमेरिका
दौरे पर रवाना

बोले- ट्रम्प से मिलने के लिए
उत्साहित, साझेदारी को बढ़ावा

देना एजेंट में शामिल

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर रवाना हो गए हैं। (पीएम का यह दौरा 10 से 14 फरवरी तक है)। वे आज और कल फ्रांस के दौरे पर रहेंगे। इसके बाद 12 और 13 फरवरी को अमेरिका के दौरे पर रहेंगे।

इस यात्रा को लेकर



महाकुंभ-प्रयागराज में जाम से मचा चाहिमाम

• संगमनगरी को जोड़ने वाले सभी जिलों में भी रोंगरहे वाहन

प्रयागराज के हर एंट्री पॉइंट पर 20 किमी तक गाड़ियां फंसी, 5 किमी का सफर 8 घंटे में

प्रयागराज (एजेंसी)। बसत पंचमी स्नान के बाद से प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। विवाद को हल्लत बिगड़ गया था। शहर से लेकर बाराणसी, मिर्जापुर, लखनऊ और शारीर काशी तक वाहनों के समर्थन में 7 पंसी पॉइंट पर 20 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई थीं।

शहर के लोग घरों में हुए कैद-प्रयागराज में यात्रावाट व्यवस्था छ्वस छोड़ने से हाहकार मचा हुआ है। शहर के लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। वह बाहर निकलकर रोजमर्ह के जरूरी सामान भी नहीं खोद पाए हैं। स्थिति यह है कि कुछ दूर जाने पर ही पुलिस



की बैकिंगिंग है। किसी भी दशा में पुलिस आपे बढ़ने नहीं दे रही है। अल्लापुर, छोटा बधाड़ा, वासिमपुर रोड, चौक, जानसनाज से लेकर कट्टरा, चौक, सुलेमसराय, अलोपीनाम, दारागंज, रामबाग, वैरहाना, सोबतियाबाग, कीड़ागंज, मुझीगंज, लाउदर रोड, एन ज्ञा मार्ग, मेडिकल कॉलेज रोड आदि मुख्लियों में रहने वाले लोग परेशान हैं। घर से निकलने ही वाहनों की कठत लगी है और कई घंटे बात भी गाड़ियां खीं संटर आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। वाहनों के हार्न और धुंध के चलते लोगों का घरों में रहने भी दूधर हो गया है।

प्रयागराज (एजेंसी)। किंवदं अखाड़े में विवाद के बीच ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद छोड़ा दिया है। इस बात की घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर विडियो पोस्ट करके की।

प्रयागराज (एजेंसी)। बाहरी आत्मसंघर्ष से भारतीय देश की स्थिति बदल रही है। यहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ अंतरिक्ष मजबूती पर ध्यान दे रहा है, वही दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने महाकुंभ में डुबकी लगाई

सूर्य को अर्घ्यदाया

- हनुमान मंदिर में दर्शन किए, भीड़ के चलते संगम स्टेशन बंद करना पड़ा



परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने फोकस के लिए दिया क्रिकेट मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा पे चर्चा के आठवें एडिशन में पीएम नेंद्र मोदी ने 10वां और 12वां के स्टूडेंट्स से बोर्ड एजेंसी को लेकर बातचीत की।

पीएम ने स्टूडेंट्स से कहा- सबसे पास दिन में 24 घंटे ही होते हैं। यहां दिन ही समय में सब-कुछ के लिए कठत रहता है कि समय नहीं है। ऐसे में टाइम मैनेजमेंट सीखना बहुत जरूरी है।

• पीएम मोदी की स्टूडेंट्स, टीचर्स और प्रेटेस को 10 सीख

प्रेटेस-टीचर्स बच्चों की भावनाओं को समझें- परिवार बच्चों को प्रेशर देता है। बच्चे को आर्टिस्ट बनना है तो कहते हैं कि इंजीनियर बनो। माता-पिता आप अपने बच्चों को इच्छाओं को समझिए, क्षमताओं को समझिए। मदद कीजिए।

टाइम-टेस्ट बनाएं जो पहुंच में हो, पकड़ में नहीं तो जायदात लोग खुद से स्पष्ट नहीं करते, दूसरे से करते हैं। यों खुद से स्पष्ट करता है, उसका विश्वास कभी करता है।

मन की बात प्रेटेस से कहें, तावान दूर होगा- अगर किसी पाल को जिया नहीं तो वो चरा जाएगा, फिर नहीं लैटैग। याद करें

कहा- सिर्फ बॉल पर फोकस करें, शेर पर नहीं; प्रेटेस पद्धाई का प्रेशर



कि अपने भाई से पहले बहुत बात करते थे, अब नहीं करते।

टाइम मैनेजमेंट सीखें- सबसे पास दिन में 24 घंटे होते हैं। कोई इसमें सब-कुछ कर लेता है, कोई रोता रहता है कि पढ़ने का समय नहीं मिलता। वास्तव में वो अपना समय मैनेज करना नहीं जानते।

महामंडलेश्वर की पदवी दी गई थी।

बच्चों को किताबों का जलेखाना नहीं, खुला आसमान चाहिए- आगे डांस करते हैं तो कैसा लगता है, अच्छा लगता है नहीं। बच्चों को दीवारों में बंद करके किताबों की ही जलेखाना बना देंगे तो बच्चे कभी भी विकास नहीं कर पायेंगे। उन्हें खुला आसमान चाहिए।

टीचर को बच्चों की ताकत पहचानी होनी- है अहमदाबाद में स्कूल में याद एक बच्चे के मा-बप ने चिठ्ठी लिखी है कि उसे निकाल रहे हैं। उसे टिकिंग लैंड खुद हुआ, वो बच्चा तासें समय बिताने लगा। उसके पास कुछ विशेष ताकत है, टीचर को पहचाना होगा।

पांजिटिविटी खोजने की आदत डालें- जितने दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है। यहां एक अर्थात् दोस्त से अर्थात् योगी ने खांगत किया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीवन पटेल और सीएम योगी भी हैं।

राष्ट्रपति को बच्चों की आदत डालें- जितने

दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है।

प्रेटेस को बच्चों की आदत डालें- जितने

दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है।

प्रेटेस को बच्चों की आदत डालें- जितने

दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है।

प्रेटेस को बच्चों की आदत डालें- जितने

दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है।

प्रेटेस को बच्चों की आदत डालें- जितने

दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उके रो पान लिख सकते हो क्या? नहीं। इसके बाद राजनीति की आदत डालें और सीएम योगी भी है।
<div data-bbox="197

अगर आपके हाथ पैरों का भी बढ़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्पणी

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहाँ अंदेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सफन अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जिखिम उठाते हैं क्योंकि भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलों में काले मुद्रे को हल करने का तरीका यहाँ दिया गया है।



दुनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर को सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैटरीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

दुअंतरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गध नहीं आती है। इससे कालापन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

शरीर में परीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।



रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड थोकोइत्योहर हम में से

ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ

अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी

रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं। वहीं

घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट्स

नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर

समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर

करते हैं। ऐसे में हम जब भी खाना

रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग

सलाह देते हैं कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि

समस्या घेर लेगी। यद्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

हालांकि, कुछ रणनीतियां हैं जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते हैं...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल

इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपको मदद कर सकता है।

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर

करने समय इन 10 हेल्पे और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें थान

सुशी- कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे

अच्छा औपचार्य है। ब्राउन चावल और सब्जी से भरे

इस रोल का ऑपचार्य जरूर चुनें।

परीन टिक्का- हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए परीन टिक्का का ऑपचार्य बेहतर है। इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं।

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल या

रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें।

भूंई हुई सब्जियों और परीन

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूंई

हुई सब्जियों और परीन का ऑपचार्य जरूर चुनें, इसके साथ साबुत अनाज चुनें और जग्गा

सब्जियां खाएं।

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एटीऑक्सीडेंट से भरपूर औपचार्य के लिए चुनें।

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डिम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें।

होल लीटी मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें।

किनोआ बाउल विद ग्रिल परीन

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए

इसे चुनें। बता दें, किनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि परीन प्रोटीन प्रदान करता है।

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन औपचार्य के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें।

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें।

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं। ग्रिल, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें।

ज्यादा कैलोरी और चीली वाले सॉस और ब्रेसिंग का सेवन सीमित करें।

खबूल पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें। इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे।

स्क्रिन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्क्रिन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्क्रिन को हल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कि कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानापान की वजह से है कि कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। स्क्रिन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे-महंगे स्क्रिन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। अमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेंबर या स्क्रिन टीटीमेंट स्क्रिन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्क्रिन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्क्रिन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियों एवं इसका प्रयोग करने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्क्रिन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियों में पलेओनाइड्स, एल्कलोइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोफिटिक कॉपाउड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्क्रिन पर एटी-इन्सोलेमेट्री और एटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कि कैसे इस्तेमाल करें।

- पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्क्रिन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। - पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रूप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए फहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड करें।



चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत

ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है

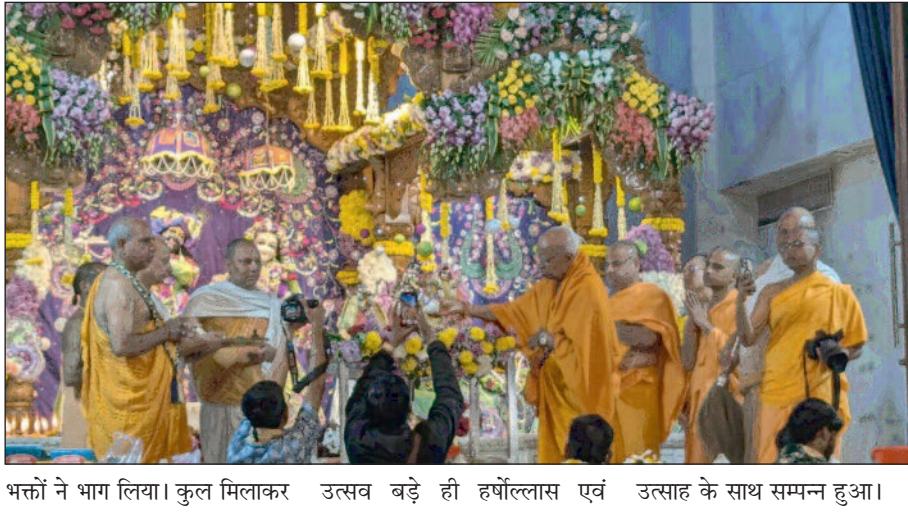
तो टैनिंग की वजह बन जाती है। टैनिंग के

कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग-

इस्कॉन नोएडा मन्दिर में नित्यानन्द ग्रयोदशी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

आज का मुद्रा

नोएडा। इस्कॉन नोएडा मन्दिर में नित्यानन्द प्रभु का जन्मादिवस - नित्यानन्द त्रियोदशी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। नित्यानन्द प्रभु श्री बलराम जी के अवतार हैं। आज से लगभग 550 वर्ष पूर्व नित्यानन्द प्रभु का जन्म एकत्रिक ग्राम, प्रसाम बंगल में हुआ। भगवान का पञ्चव्य - गवा का दूध, दही, घो, शहद, ताजे फलों के रस से अधिष्ठक किया गया। इस बीच हरे कुण्डों का मधुर कीरन होता ग्राम, प्रसाम बंगल में हुआ। भक्तों ने अत्यन्त उत्साह के साथ कीरन में भाग लिया और नृत्य किया। भगवान को नई पोषण करने का निवेदन किया करते थे। उसी परम्परा का अनुपालन करते हुए इस्कॉन आज पूरे विश्व भर में सभी के जीवन में कृष्णभक्ति लाने का प्रयास कर रहा है।



खतरनाक रसायन वाला रंग और खराब क्वालिटी की नमक से बन रहा था मध्याह भोजन

खगड़िया : बीते वर्ष अप्रैल माह में फूड एवं सेप्टेंट डिपोर्टमेंट ने खगड़िया में बच्चों को मध्याह भोजन (एमडीएम) परोसने वाले एन्जीओ पूर्वान्तर समाज सेवा संघ की जांच की थी। इसमें पाया गया था कि मध्याह भोजन जो खाना बच्चों को दिया जा रहा है वह जड़ीबीला है। फूड एवं सेप्टेंट डिपोर्टमेंट की जांच रिपोर्ट में बताया गया था कि एन्जीओ ने नमक की उत्तराधार बच्चों के खाने में जो मेटानील वाले कलर का इस्तेमाल हुआ है, वह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इनमें ही जांच में जो कांपीएम मात्रा 15 की जाह मात्र 5.3 है। फूड एवं सेप्टेंट खिभान ने ये सारा रिपोर्ट खगड़िया के शिक्षा विभाग को देने के अलावा अपने पत्रक्रम 96 30 अक्टूबर 2024 द्वारा फूड कमिशन सह संचिव बिहार और पत्रक्रम 97 दिनांक 30 अक्टूबर 2024 द्वारा अपर समाजहात्ता सह याच नियन्यक पदाधिकारी खगड़िया को सौंधी है। बाबूजूद इसके बच्चों को जड़ीबीला भोजन को परोसने वाले एन्जीओ पूर्वान्तर एन्जीओ का खाना रंग और खराब की गई। वर्तमान में भी इस एन्जीओ के द्वारा सरकारी विद्यालय में एमडीएम वितरण किया जा रहा है। यहां शिक्षा विभाग के एमडीएम एन्जीओ की मेहरबानी से बच्चों को जांच के बाद भी ऐसे भोजन मुहूर्या कराए जा रहे हैं, जो बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से बीमार करने के लिए काफी है। किंतु यह एक बच्चे को दिया जाए तो उसके बाद भी उसके बच्चों में खगड़िया शिक्षा विभाग ने तापम बातों को दबाकर एमडीएम परोसने वाले एन्जीओ को छोड़ दे रखा है। तापम तथा सामने आने के बाद भी उसपर आजतक न तो कावाई की गई है, न ही उसके भोजन को विभाग द्वारा उनके नियंत्रण दिया जाता है। मतलब, जबकि निर्देश नहीं मिला तबतक एन्जीओ को जड़ीबीला भोजन परोसने को दिया जाता है। ऐसे में समझा जा सकता है कि



एमडीएम डीपीओ उस एन्जीओ पर किया गया है। अमर उत्ताला ने यह एक बच्चे को दिया जाए तो उसके बाद भी उसके बच्चों में बच्चों को जांच के बाद भी ऐसे भोजन मुहूर्या कराए जा रहे हैं, जो बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से बीमार करने के लिए काफी है। किंतु यह एक बच्चे को दिया जाए तो उसके बाद भी उसके बच्चों में खगड़िया शिक्षा विभाग ने तापम बातों को दबाकर एमडीएम परोसने वाले एन्जीओ को छोड़ दे रखा है। तापम तथा सामने आने के बाद भी उसपर आजतक न तो कावाई की गई है, न ही उसके भोजन को विभाग द्वारा उनके नियंत्रण दिया जाता है। मतलब, जबकि निर्देश नहीं मिला तबतक एन्जीओ को जड़ीबीला भोजन परोसने को छोड़ दे दी गई।

पटना : दहेज हत्या के छह महीने बाद भी कोई कार्टवाई नहीं, थाने पर हंगामा कर परिजन बोले-खुलेआम धूम रहे आरोपी



जानकारी के अनुसार आज तक जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की साथी आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को दर्ता दी गई। इस दौरान थोने में अफरातराकी की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के लालारंज थाना क्षेत्र की रहने वाली गुंजा कुमारी की शादी एक सात पल बाकी कथैया थाना के वार्षिक विवाहिता गुंजा कुमारी के विवाहिता गुंजा की शादी के बाबूजूद जमकर मायपीट और फायरिंग हुई, जिससे इलाके में अफरा-तरफी का माहोल बन गया। यह घटना आठ फरवरी की बताई जा रही है, जब आपसी घर फरवरी परिवार की बताई जाना चाहिए। इस दौरान थोने में अफरातराकी की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। उन्हें बताया जाता है कि विवाहिता गुंजा की शिकायत आरोपियों को दबाकर एमडीएम परोसने वाले एन्जीओ को छोड़ दे रखा है। तापम तथा सामने आने के बाद भी उसपर आजतक न तो कावाई की गई है, न ही उसके भोजन को विभाग द्वारा उनके नियंत्रण दिया जाता है। मतलब, जबकि निर्देश नहीं मिला तबतक एन्जीओ को जड़ीबीला भोजन परोसने को छोड़ दे दी गई।

पटना : दहेज हत्या के छह महीने बाद भी कोई कार्टवाई नहीं, थाने पर हंगामा कर परिजन बोले-खुलेआम धूम रहे आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

पटना : दहेज हत्या के छह महीने बाद भी कोई कार्टवाई नहीं, थाने पर हंगामा कर परिजन बोले-खुलेआम धूम रहे आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या

पटना : दहेज हत्या के छह महीने बाद भी कोई कार्टवाई नहीं, थाने पर हंगामा कर परिजन बोले-खुलेआम धूम रहे आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में दहेज हत्या की शिकायत हुई विवाहिता गुंजा कुमारी के परिजनों का गुरुसा आधिकारिक फूट पड़ा। हत्या के छह महीने बात जाने के बाबूजूद पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफतारी नहीं किए जाने से नाराज मायके पक्ष के लोग और ग्रामीणों की शिकायत आरोपियों की गिरफतारी की शिकायत आरोपियों को पक्ष के लोग पुलिस प्रशासन पर पैसे लेकर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाने लगे। छह महीने पहले की गई थी गुंजा की हत्या